सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजयख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, जुलाई-अगस्त 2018

सच्ची आराधना

‘तब मरियम ने जटामांसी का आधा किलो बहुमूल्य और असली, इत्र लेकर यीशु के पैरों पर मला और अपने बालों से उसके पैर पोंछे और इत्र की सुगन्ध से घर सुगन्धित हो गया।’ (यूहन्ना 12:3)

इधर शाम भोजन के समय आराधना जारी थी। एक आदमी जो कब्र से मर कर जी उठा था, उसकी बहनों ने यीशु के लिए एक महान दावत तैयार की। विश्वास की विजय का उत्सव, एक महान रूप से मनाया जाना था। ऐसे सिद्ध होठों से निकले परमेश्वर के वचनों को सुननेवाला यह परिवार था। ज़ाहिर है वह ऐसा परिवार बनेगा जो इस बात पर विश्वास कर सकता है कि चार दिन से दफन एक मरा हुआ आदमी फिर से जी उठ सकता है। उनका हृदय आभार से भरा है। आपतकाल में, किसी भी समय पैसों में बदलने योग्य बहुमूल्य इत्र घर में सुरक्षित रखा हुआ है। मरियम ने उस इत्र को लिया। लाकर उसे पात्र को फोड़ दिया। क्यों? उसने

सच्ची आराधना... पृष्ठ 2 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

TV - Star Utsav

चैनल पर

*हर **रविवारसुबह 7:30 से 8:00** बजे*

परमेश्वर के साथ सुलह

‘अहा! परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान कितने अगाध हैं! उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग अगम्य हैं। (रोमियों 11:33)’

हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ सब कुछ उपरी और असहज हैं। इस में कोई सन्देह नही है। सब कुछ चमकीली पन्नी, दिखावे की सतह और चाँदी के रंग में, चमचमाती क्रोम की परत के समान है। कुछ विपत्ति या दुर्घटना घटती है तो, जो कुछ भी बचता है वह सिर्फ छोटे-छोटे टुकड़े है। और टेढ़ा-मेढ़ा लोहे का कंकाल, जो पहचान से परे है। मगर ज्यादातर लोग अपनी संसारिक धन-सम्पत्ति की अल्पकालिक चमक-दमक के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते है।

दुर्भाग्यवश कई कलीसियाँओं को भी इस छिछले ऊपरी दिखावे ने जकड़ लिया है। ऐसा मन-परिवर्तन जिस में पश्चाताप करने की जरूरत नहीं है – आज अधिकतर कलीसियाएं और प्रचारक लोग यही प्रचार कर रहे हैं। मन को गहराई से खोदना, अपने जीवन पर राज करनेवाले दुष्ट उद्देश्यों पर से परदा हटाना और छिपे हुए पापों के बारे में पश्चाताप करना, यह सब लोगों को बुरा लगता है। यह ऐसी बात है जिसका मानवीय स्वभाव विरोध करता है। उघाड़ने से और मन के गहराई से जाँचे जाने से हम घृणा करते हैं। मगर प्रभु यीशु केवल यही करते हैं। जाँच-पड़ताल और रोग-जाँच, इलाज करने के लिए ज़रूरी है।

ऐसे रोग के लक्षण बताकर जो तुम में है ही नहीं, तुम अपने डॉक्टर को गुमराह करने की कोशिश कभी नही करोगे। तुम डॉक्टर को जहाँ तक हो सके, रोग के लक्षण का सही-सही विवरण देना चाहोगे, ताकि तुम्हारी समस्या क्या है, पता लगाने में डॉक्टर की मदद हो सके।

संत पौलुस पुकारते है, ‘परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान कितने अगाध है। उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम्य है।‘

हाँ, यीशु मसीह में गहराइयाँ है। शुद्धता, सामर्थ्य और पूर्णता में भी गहराइयाँ है। जब हमारे चारों ओर के ईसाई लोगों की आज की हालत को देखोगे तो, सिर्फ हमारी इच्छा छिछली ही नज़र आती है। प्रारम्भ में जो चेले थे, ऐसे व्यक्ति थे, जो किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकते थे, इस गहरे आश्वासन से कि उनका प्रभु जो फिर से जी उठा है, वह उन्हें बार-बार छुटकारा देगा। यीशु उनके लिए ज़रूरत से ज्यादा था। उनका, ऐसा विश्वास था। मूर्तिपूजा करने वालों और अनैतिक समाज के बीच वे विजेताओं से बढ़कर थे।

मसीह आज भी पर्याप्त है। उनके वादे हमारे लिए काफ़ी हैं। मसीह में स्थित निधि और परमेश्वर के वचन की गहराइयों में जब तुम पहुँचते जाओगे, तो तुम्हारा हृदय एक नई आशा और एक नए अवलोकन से रोमांचित हो उठेगा। तुम सीधे उस खान कूप में पहुंचते हो। और चारों ओर स्फटिक में स्थित सोने की ठोस लकीरें दिखती हैं, वह केबल-कार तुम को गहराई और गहराई में ले जायेगी। वह सब

तुम्हारा है। परमेश्वर तुम्हारा ज्ञान है। वह तुम्हारा उद्धार है। वह तुम्हारा पवित्रीकरण है। यीशु मसीह में यह सारे धन तुम्हारे लिए है। यहाँ तक कि उसने अपने अपको हमारे लिए दे दिया है। उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं जिससे उसने, हमें वंचित रखा।

मेरे पिताजी बड़ी आध्यात्मिक गहराई वाले आदमी थे। और दूसरों में भी वह गहराई देखना चाहते थे। उनके जीवन काल में, हजारों लोगों को मन-परिवर्तन के गहरे अनुभव में लाने के लिए परमेश्वर ने उनको सामर्थ दी। उनमें से करीब-करीब सब लोगों ने प्रार्थना करना सीखा था। और हर रोज एकान्त में प्रार्थना करने की आदत डाली थी। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अस्वस्थ लोगों को चंगा करने में और अशुद्ध आत्माओं को बाहर निकालने में, परमेश्वर ने उन्हें महान रूप से उपयोग किया था। परमेश्वर का वचन उन सारी अन्धकार की शक्तियों के कामों के ऊपर प्रबल और विजयी रहा है।

दूसरी ओर, छिछले मसीही लोग अपनी बातों से पहचाने जाते है। परमेश्वर का गहराई से अनुगमन करने वाले जन के बारे में, वे बहुत ही हल्के तरीके से बातें करते हैं। लोगों के विवाद ने, स्वयं परमेश्वर के पुत्र को भी नही छोड़ा। उनको पियक्कड़, पापियों का दोस्त और बालजबूल कहा गया। बढ़ई के पुत्र कहकर उसको तुच्छ जाना गया। मगर जहाँ उनको दुःख झेलना था और क्रूस पर मरना था, यीशु उस यरूशलेम की तरफ मुँह कर दृढ़ता से आगे बढ़े।

अब, उस पुराने जिल्द को फ़ाड दो। और उस पतली परत को खुरज कर निकाल दो, जिससे तुम अब तक अपने असली स्वभाव को छिपाते रहे हो। सच्चे पश्चाताप के साथ क्रूस के पास आओ। एक नया जीवन पाने के लिए प्रभु यीशु को पुकारो। उनके प्यार और निधि में और भी गहराइयाँ है जिनकी तुम्हें खोज करनी है।

- जोशुआ दानिय्येल

सच्ची आराधना... पृष्ठ 1 से

उद्धारकर्ता को पा लिया है। वह विश्वास से भरी थी। यह आराधना, स्तुति, आदर और इबादत का एक कार्य है। उस आराधना का प्रभाव सब ने महसूस किया। वह परमेश्वर के राज्य से, संबंधित औरत थी। मगर वहाँ एक ऐसा व्यक्ति भी था जो उससे बिलकुल खुश नहीं था। वह कैसर के राज्य से संबंध रखने वाला आदमी था। परमेश्वर के राज्य से बाहर, पैर हटाकर कैसर के अंधकारमय राज्य में उसने कदम रखा था। विश्वास की संभावना को वह नहीं जानता था। उसने सिर्फ बटुआ को देखा और फिर कितना उससे वह चुरा सकता है। वह अभी भी अंधकार और पाप में था जबकि वह कैसर की सेवा में लगा है और हाथ बढ़ा कर परमेश्वर का राज्य से भी संबंध रखना चाहा। [उसका नाम यहूदा है।]

एक सूबेदार [अपने लकवे के मारे सेवक के चंगा होने पर, यीशु पर विश्वास रखा, (मत्ती 8:5-13 देखे] निश्चित ही वो परमेश्वर के राज्य से संबंधित है। वह एक सेवक के प्रति लगाव रखता और उसके लिए बहुत चिंतित थ। यह बात परमेश्वर के राज्य से संबंधित होने का एक ठीक नमूना है। वह निश्चित ही कैसर के राज्य से संबंधित व्यक्ति नहीं है। विश्वास के जरिए कितना कछ संभव है वह देख पाया था। विश्वास के विषय में यहूदा तो एक दम मुर्दे की तरह था। वह विश्वास नहीं कर पाया कि यीशु को बेचे बिना ही वह अपने आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकता है। उसने सोचा, चांदी के तीस सिक्कों से वह अपनी मुश्किलों से बाहर हो जायेगा।

आदमी जो कैसर के राज्य से संबंआ रखने वाले हैं हर एक विषय को वे पैसों से तोलते है। वे परमेश्वर के लिए कोई काम के नहीं है। क्या आप विश्वास करते हो कि परमेश्वर आपका उपयोग कर सकते हैं? क्या आप परमेश्वर पर विश्वास में आगे बढ़ रहे हो? क्या आप कैसर के राज्य से ऊपर उठे हो जहाँ हर एक गणना पैसों से की जाती है? क्या आपने परमेश्वर के राज्य में कदम रखा है, जहाँ एक सीमित आदमी परमेश्वर पर विश्वास करने के द्वारा असीमित अस्तित्व बन जाता है?

- एन. दानिएल।

दुख में मसीह को सीखना

भारत में पलते समय मिमोसा हिन्दू धर्म से प्रेममय परमेश्वर की तरफ फिरी थी। कई सालों तक (जिसके दौरान उसने शादी की थी और बच्चे भी हुए थे) परमेश्वर का मार्ग के विषय में शायद ही उसे किसी मनुष्य से शिक्षा मिली हो - मगर परमेश्वर के आत्मा ने उसे सिखाया था।

मिमोसा की बड़ी चाहत थी कि उसके बेटें, सच्चे, जीवित और पवित्र परमेश्वर की उपासना करने का चुनाव कर पाये। मगर कैसे? उसने अपने आप को प्रार्थना में लगाया। उसके प्रार्थना के बहाव, व्यस्त दिन के दौरान भी चलते-चलते रात तक भी बहती रहती। उसकी प्रार्थना हमेशा शब्दों में ही बयान नहीं होती क्योंकि उसके अंदर प्रज्वलित चाह शब्दों की तलाश में इंतजार नहीं कर पाती। 'मैं एक प्रार्थना हूँ'

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books, Lal Building, Goa Street, Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

यह शब्द - शायद उसका वर्णन करते है। पढ़ा लिखा उसका भाई उसे ताना मारता: 'तुम सोचती हो कि तुम प्रार्थना कर सकती हो? तुमने किससे प्रार्थना करना सीखी है?' तुम जो पढ़ नहीं सकती हो, पहला अक्षर भी नहीं पढ़ पाने वाली मूर्ख क्या तुम सोचती हो कि तुम प्रार्थना कर पाओगी?

मिमोसा जो दीन और दरिद्र थी, वे शब्द गहरे रूप से उसे चुभ गये। अगर उसकी धारणा ही गलत हो, तो फिर क्या?

नबी यिर्मयाह ने भी एक बार अपने दुःख में परमेश्वर को पुकारा था: 'क्या तू वास्तव में मेरे लिए धोखा देने वाली उस नदी के समान है जिसके जल पर भरोसा नहीं किया जा सकता?' फिर भी मसीह निकट आये, वह मसीह जिसने पतरस से कहा था, 'मैंने तेरे लिए प्रार्थना की है तेरा विश्वास चला न जाए।' 'क्या मैं तेरे लिए जंगल बना था?' (परमेश्वर कहते है। यिर्मयाह 2:31) उस पर खुशी छा गयी; मिमोसा जानती थी कि उन कठिन सालों के दौरान वह उसके लिए क्या बना था। 'तुम सीखने के द्वारा परमेश्वर को जानते हो' बाद में वह अपनी मसीही बहन से कहती, 'मगर मैं उसे अपनी पीड़ा के द्वारा जानती हूँ' ऐसा नहीं कि उसकी बहन ने कष्ट नहीं सहे थे - फिर भी उसके पास बाइबल और कई सारी किताबें थीं। और मिमोसा जिसे तमिल का पहला अक्षर भी मालूम ना था, अपने दुःख के जरिये उसने परमेश्वर के बारे में सीखा था।

दुख के समय यीशु मसीह के अलावा कौन दुख में सहभागी हो सकता है, जो स्वंय क्रूसित हुआ, जो जी उठा मुक्तिदाता है?

'मेरे अध्ययन कक्ष में मिलेट, गोएत, टॉलस्टॉय, बीथोवन और गतसमनी के बगीचे में यीशु मसीह की तस्वीरें लगीं हैं,' एक चीनी विद्यार्थी ने जो तब तक मसीही नहीं बना था, अपने दोस्त जो पैरिस में है, उसको लिखता है। 'एक सुन्दर चित्र देख ने बाद, कुछ अद्भुत कविता पढ़ने के बाद या कुछ उत्कृष्ट संगीत सुनने के बाद मेरा आत्मा, यीशु की नहीं बल्कि दूसरे विख्यात व्यक्तियों की तस्वीरों को देखने के लिए आकर्षित होता है। मगर जब मेरा मन व्याकुल है तो वे सब उस समय लुभावने नहीं लगते: सिर्फ बगीचे में पीड़ा उठाते यीशु को, देखकर मनन करना ही मुझे दिलासा देने में सामर्थ लाता है।'

कोई भी तस्वीर, परमेश्वर से हमारा मेल-मिलाप नहीं करवा सकती - मगर सिर्फ यीशु मसीह करते है। 'निश्चय उसने हमारी पीड़ओं को आप सह लिया और हमारे दुःखों को उठा लिया। फिर भी हमने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण बेधा गया, वह हमारे अधर्म के कामों के लिए कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। हम तो सब के सब भेड़ों के समान भटक गए थे, हम में से प्रत्येक ने अपना अपना मार्ग लिया, परन्तु यहोवा ने हम सब के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।' (यशायाह 53:4-6)

- एमी कारमैइकल का 'मिमोसा: ए टू स्टोरी' देखे।

क्रूस के तले क्षमा है

परन्तु तू तो क्षमा करने वाला है, कि लोग तेरा भय माने। (भजन संहिता 30:4)

अगर हमने आत्मिक जन्म नहीं लिया तो परमेश्वर के स्वभाव में हम भागीदार नहीं है। तब परमेश्वर को समझने की और उनकी आज्ञा मानने की क्षमता हम में नहीं होती। अगर परमेश्वर का अनुग्रह लोगों में प्रवेश नहीं करता है, तो वे कैसे उनके सत्य को मानेंगे? एक पापी के लिए परमेश्वर के सामने कोई स्थान नहीं है। वह परमेश्वर का अनुग्रह है जिसके द्वारा ही आप नम्रता और टूटापन पाते हो।

'टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है; हे परमेश्वर, तू टूटे और पिसे हुए हृदय को तुच्छ नहीं जानता।' (भजन संहिता 51:17) परमेश्वर के सामने उपस्थित होने के लिए हमें एक टूटा और पिसा हुआ हृदय चाहिए। डॉक्टर हमें एक ऑपरेशन थिएटर में आने नहीं देंगे, वे हमारे रूमाल का प्रयोग नहीं करेंगे। वे बहुत सावधानी बरतते हैं और जीवाणुहीन की हुई चीजों को ही इस्तेमाल करते हैं। हाँलाकि हम योग्य नहीं है, फिर भी हम उनके सामने जाते है और उनकी उपस्थिति की माँग करते है। 'प्रभु, मैं अयोग्य हूँ। अपना पाप जानना मुझे सिखाओ।' ऐसे प्रार्थना करो। एक गणित के अध्यापक, केवल एक प्रश्न को सुलझाने में आप गलती करें तो वह आपको त्याग नहीं देता। वह आपको माफ करता है। परमेश्वर के पास आप के लिए क्षमा है।

कई बार हम आत्मसन्तुष्ट होकर लापरवाही से परमेश्वर के सामने जाते हैं। फिर भी परमेश्वर आप को क्षमा करके, साथ नहीं छोड़ते है। आप तुरन्त सिद्ध बन जाओ, परमेश्वर आप से यह अपेक्षा नहीं रखते। क्रूस से निकलने वाले प्रकाश के किरण आप को कभी भी निराश नहीं होने देंगे। क्रूस के पास, आप अपनी कमजोरियों को समझ पाते हो। परमेश्वर जानते हैं कि आप शून्य से भी नीचले स्तर पर हो। फिर भी वे आप को माफ करते हैं। आप निराश ना हो। आपके विषय में उनके मन में बहुत बड़ी योजना है। आप आगे बढोगे। परमेश्वर आशा रखते हैं कि उनकी योजनाए आप में सफल करें। एक लड़के ने गणित में एक दफा शून्य अंक प्राप्त किया था। फिर मुड़कर वह कक्षा में दूसरे स्थान पर आया था। यीशु कायर पतरस की तरफ देखते है और कहते हैं कि वह एक चट्टान बनेगा। मैं नहीं जानता कि वह आपको क्या नया नाम देंगे, जैसा नाम दिया है वैसा ही आपको वे बनायेंगे। जब सन्त फ्रान्सीस एक नौजवान था, वह एक शेखीबाज था। मगर परमेश्वर ने उसके हृदय में जो नम्रता है उसको देखा था। उसको एक विनम्र आदमी बनाया। एक समय पर वह अपने पिता का, अपने घर और उसके पहनावे को लेकर वह बहुत

घमण्ड करता था। वह एक व्यर्थता से भरा जवान था। मगर परमेश्वर ने उस में एक महान व्यक्तित्व और एक विनम्र आदमी को देखा था। आप स्वयं को नहीं पहचानते। कदम दर कदम, आपको सिद्ध बनाने के लिए, परमेश्वर के पास आप के लिए क्षमा है। हर दिन परमेश्वर आपको अपनी गलतियों को दिखायेंगे। उस के बारे में तुरन्त पश्चात्ताप करके माफी माँग ले। परमेश्वर का वचन आपके विचारों पर कार्य करेगा। आपको शुद्ध होने की जरूरत है। और परमेश्वर का वचन शुद्ध करने वाला साधन है। वह आपके विचारों को साफ करेगा। अपने दोस्तों के विषय में सावधान रहें। उनको चिताने की बात परमेश्वर से प्रभावित हो।

फिर भी उन्होंने अपने मुँह से उसकी चापलूसी की और अपनी जीभ से उससे झूठ बोला। उनका हृदय तो उसके प्रति दृढ़ न था, न वे उसकी वाचा के प्रति सच्चे थे। (भजन संहिता 78:36-37) मुझ से सलाह लेने आये एक मिशनरी के बारे में परमेश्वर ने मुझे यह वचन दिया था। आप कहते हैं, परमेश्वर प्रेमालू है। क्या आप लोगों को, परमेश्वर का प्रेम दिखा पा रहें हो? परमेश्वर चापलूसी नहीं चाहते। बहुधा परमेश्वर के प्रति हमारा हृदय सही नहीं है। 'जो मैं करने पर हूँ, क्या उसे इब्राहीम से छिपा रखूँ?' (उत्पत्ति 18:17) परमेश्वर आप से कुछ भी छिपाना नहीं चाहते है। जब मैं हजारों मील दूरी पर उसिलमपट्टी में था, परमेश्वर ने मेरे पिताजी की मृत्यु के बारे में मुझे दिखाया था।

परमेश्वर आप में एक संत महिला और एक समाज सुधारक को देखते है। 'यहोवा मेरे लिए सब कुछ पूरा करेगा।' (भजन संहिता 138:8) उस में आप के लिए क्षमा है कि आप उनके जैसा सिद्ध बनो।

- एन. दानिय्येल।

एक महान परिवर्तन

विलियम विल्बफोर्स, एक महान अंग्रेज राजनीतिज्ञ, उन्मूलनवादी और जनहितैषी थे। संसद में चुने जाने के कुछ पाँच साल बाद, प्रभु यीशु मसीह के मुक्तिदायक विश्वास में वे आये। सन १७८४, की सर्दियों में, उन्होंने भूतपूर्व स्कूलमास्टर आइजैक मिलनर को न्योता दिया कि वे उनके साथ छुट्टियों पर चलें। साथ में उनकी माता और बहन भी थी। मिलनर एक मसीही थे। उस दौरान, मसीही धर्म के विषय, उन्होंने आपस में घंटों बातें कीं।

जिस घर में वे ठहरे थे, विल्बरफोर्स ने, फिलिप डॉड्रजेस कृत 'दा रैज एन्ड प्रोग्रेस ऑफ रीलीजियन इन दा सोल' पुस्तक की एक प्रति को देखा था। मिलनर ने सुझाव दिया कि वे घर वापसी में रास्ते पर उसे पढ़े। इस किताब का उन पर एक बहुत बड़ा प्रभाव रहा। सन 1785 फरवरी में, जब वे घर लौट आये, तब तक उन्होंने बाइबल के मूल विश्वासों से बौद्धिक सुलह कर ली है।

उस साल गर्मियों में, विल्बरफोर्स को मिलनर के साथ यूनानी भाषा में नये नियम पर घंटों चर्चा करने का अवसर मिला। 'अब तक जो सिर्फ बौद्धिक स्तर पर स्वीकृति थी, अब एक महान दृढ़-विश्वास बन गया।' उनका मन फिराव - इस 'महान परिवर्तन' के साथ, जिस सुख विलासों में वे जी रहे थे तथा धन दौलत के प्रति उनके मन में घृणा पैदा हुई। आगामी सालों में, अपनी कमाई में से बहुत कुछ उन्होंने दान किया।

'मेरा प्रिय विषय - मेरी अपनी विशिष्टता' विश्वविद्यालय में और संसद के प्रारंभिक वर्षों का समय यों ही बर्बाद हो गये, बाद में उन्होंने स्वयं कहा था। बीतें सालों के विषय विलबरफोर्स शर्मिन्दगी महसूस करते थे। मगर फिर भी अब सार्वजनिक जीवन में, अपनी नयी मसीहीयत का क्या मतलब था? वे जॉन न्यूटन से मिलने गये। जॉन न्यूटन एक सुसमाचार प्रचार करनेवाला सेवक और यीशु मसीह का एक सच्चा भरोसेमंद अनुयायी था। उन्होंने ना केवल विलबरफोर्स को अपने विश्वास में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन किया, बल्कि उन्होंने निवेदन किया कि अपने राजनैतिक जीवन से वे अपने आपको दूर ना करे। 'उन्होंने मुझ से कहा था, ' विलबरफोर्स ने लिखा, 'उनकी हमेशा यह आशा थी और विश्वास था कि परमेश्वर किसी ना किसी अवसर पर मुझे अपने पास ले आयेंगे।' जब मैं वहाँ से लौटा तो मेरा मन शान्त, और दीन, और श्रद्धापूर्वक परमेश्वर की तरफ देखते अपने आपको पाया। दो साल बाद न्यूटन ने लिखा: 'अपनी कलीसिया के हित और देश की भलाई के लिए ही प्रभु ने आपको ऊपर उठाया है, आप से ऐसी आशा है और विश्वास है।'

सन 1787, 28, अक्टूबर, विलबरफोर्स ने ऐसा लिखा था: 'दो महान विषयों के सामने सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने मुझे खड़ा किया है, 'गुलाम व्यापार का दमन' और 'शिष्टाचार [नैतिक व्यवहार] में सुधार'। जल्द ही उन्होंने संसद में गुलाम व्यापार को उन्मूलन करने के लिए प्रयास प्रारंभ किया। ऐसा प्रयास जिस में बीस साल लगे (1807 तक)। और जिसमें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। सन 1833 तक दासता की समाप्ति नहीं हुई

सत्य की परख!

परन्तु यदि हम ज्योति में चलें जैसा वह स्वयं ज्योति में है, तो हमारी सहभागिता एक दूसरे से है, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पाप से शुद्ध करता है। (1 यूहन्ना 1:7)

अनुग्रह, दया और शांति, परमेश्वर पिता और पिता के पुत्र यीशु मसीह की ओर से हमारे साथ सत्य और प्रेम में बने रहेंगे। (2 यूहन्ना ३)

थी। उनकी मृत्यु के तीन दिन पहले ही, जीत का निर्णायक मत हासिल हुआ था।

विलबरफोर्स ने अपनी राजनैतिक कार्यवाही में कई बाधाओं के ऊपर जीत पाई - वित्तीय हित, और दासता संबंधी हितकारक अन्य चिंताओं, बदनामी, अपने बच्चों की आध्यात्मिक स्थिति, अपनी बेटी की मृत्यु और शारीरिक विकलांगताओं की श्रृंखलायें आदी। उन्होंने सब सहन किया। 'सन्त' कहलाये जानेवाले उनके कुछ गहरे मित्रों का दल हितकारी साबित हुआ, जो मिलकर देश में धार्मिकता प्रबल होने में सहायक बने। उसके अतिरिक्त, प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार के सत्य में दृढ़ता से स्थापित रहे। और पवित्रआत्मा द्वारा चलाये जाने से प्राप्त आनंद में दृढ़ रहे, जो परम कर्तव्य है। उनको भी 'अपने आत्मा की अंधेरीयत' का सामना करना पड़ता। अपनी विफलता से आई निराशाओं का सामना करना पड़ता। मगर जीत पाने की आशा ने उसे स्थिर रखा और बार-बार अपनी खुशी बहाल की।

विलबरफोर्स के लिए प्रार्थना महत्वपूर्ण थी। चुने हुए समयों में, उन्होंने लिखा, 'एक मसीही, व्यायाम करके अपने आप को तैयार करता है। और जब इन उच्च स्थानों से नीचे समतल जमीन पर उतर कर आता है और आम जिन्दगी में घुल-मिलता है, वह अभी भी अपने उस पिछले कसरत किये घंटों के छापों को बरकरार पाता है। प्रार्थना की इस कसरत से, अदृश्य लोक का उसे आभास रहता है। (इब्रानियों 12:22,23) असंख्य स्वर्गदूतों के सामने, सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं की तथा सब के न्यायाधीश परमेश्वर की उपस्थिति में होने जैसा, वह बात करता है और कार्य करता है। उसका व्यवहार मानो इसके आदी होने जैसा होता है।

व्यक्तिगत स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तन, यानी इस बदलाव का विषय, विलबरफोर्स की समझ का केन्द्र 'मसीह' था। सुलह करना और परमेश्वर के सम्मुख धर्मी ठहराए जाना उनके नजरों में अव्वल दर्जे पर थे। और पवित्रआत्मा द्वारा सामर्थ पाकर व्यावहारिक जीवन में पवित्र बने रहने के विषय में स्थापित होना प्रथम मानते थे। यीशु मसीह का लहू और उनकी धार्मिकता के आधार पर ही, कोई भी व्यक्ति परमेश्वर की दृष्टि में, सिर्फ मसीह पर विश्वास करने के द्वारा ही सिद्ध ठहराया जायेगा। इस से कुछ विशेषाधाकार भी प्राप्त होंगे। जैसे कि इस दुनिया में जीते जी कुछ हद तक मसीह - सादृश्य बनना। 'प्रेरितों के समय, पहले मसीहियों की तरह हम भी विजयोत्साह से मसीह में आनंद से लवलीन हों', विल्बरफोर्स ने लिखा, 'तो प्रेरितों की भाषा अपनानी होगी, ओर उनकी तरह, पूरी तरह से परमेश्वर पर भरोसा रखकर तसल्ली पाना सीखना होगा।' 'ऐसा कभी न हो कि मैं किसी अन्य बात पर गर्व करूँ, सिवाय प्रभु यीशु मसीह के क्रूस के ... जो हमारे लिए परमेश्वर की ओर से ज्ञान, धार्मिकता, पवित्रता ओर छुटकारा ठहरा।'

- जॉन पइपर कृत 'अमेजिंग ग्रेस इन दा लइफ ऑफ विलियम विलबरफोर्स' देखें।

परमेश्वर के नाम को पुकारना

डैनी वेलेस्को एक स्वच्छंद हज्जाम के रूप में काम करता था। और इस बाल बनानेवाले काम में वह माहिर और सफल था। लगभग चालीस साल वह दुनिया भर में, फोटो स्टूडियोस के मेकअप आर्टिस्ट के रूप में भी छवि रखता था। लगभग तीस साल की उम्र में, जहाँ फैशन का केन्द्र था, वहाँ रहने की इच्छा से वह पैरिस चला गया। पैरिस में रहते दो महीनों में ही, ' वोग' पत्रिका के आवरण पृष्ठ (कवर पेज) पर उसका फोटो छपा। तत्पश्चात उसका पेशा तेजी से उत्कृष्ट दशा में पहुँच गया। नशे पर जितना पैसा खर्च करना चाहता था, खर्च करता क्योंकि अब उसके पास बहुत पैसे थे। कोकीन, उसके बाद हेरोइन मादक पदार्थों का भी वह आदी हो गया।

एक दिन डैनी, न्यूयार्क शहर में फोटो शूट कर रहा था। तब एक मॉडल, 'वाण्डा ' उससे यीशु के बारे में बात करने लगी। 'परमेश्वर आप से प्रेम करते है,' उसने कहा। डैनी के लिए तो यह नौयुवती एक धार्मिक-कट्टरपंथी लग रही थी। उससे कहने के लिए उसके पास ज्यादा कुछ नहीं था, तो उसे बोलने दिया। निकल जाने से पहले उसने कहा, 'अरे डैनी, अगर मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना करूँ, तो तुम को कोई एतराज तो नहीं ना?' उस स्टूडियो में उसने डैनी के हाथों को अपने हाथों में लेकर, वो जोर से प्रार्थना करने लगी। इस तरह जोर से प्रार्थना करने वाले किसी के इर्दगर्द भी वह कभी ना गया था और सोचा कि वह बहुत साहसी है! वहाँ से निकल जाने से पहले वाण्डा ने कहा, 'देखो आप जानते हो कि आप मुसीबत में हो, मैं जानती हूँ, आप कौन हो, आपका हुनर और आपको पत्रिकाओं में मैं ने देखा है; और मैं जानती हूँ कि आप मशहूर हस्तियों के साथ मिलकर काम करते हो। मगर आप बहुत बड़ी मुसीबत में हो, इसलिए मैं आपको सिर्फ यह बताना चाहती हूँ कि जिस दिन आप प्रभु के नाम को पुकारोगे, उस दिन वह आप को मुक्त कर देंगे।'

'क्या सच में' डैनी ने उत्तर दिया, 'आप समझ नहीं रही हो, मैं बहुत दूर जा चुका हूँ।'

'ओह, नहीं...नहीं, यीशु के सामने कोई भी मामला निराशाजनक मामला नहीं।'

'ठीक है, कुछ भी हो, मगर सुनो, मैं कभी प्रभु के नाम को तो पुकारने वाला नहीं हूँ। वह कभी संभव नहीं। मैं कभी गिरिजाघर में तो आनेवाला नहीं हूँ।'

'मैं चाहती हूँ कि आप सिर्फ इस बात याद तो रखें,' उसने कहा।

एक कपड़े बनाने वाली कंपनी, डैनी के साथ अनुबंध में रहें लोगों में से एक थी। वे कैरिबियन में शूटिंग कर रहें थे। हेरोइन का अधिकमात्रा में सेवन करके नशे से मदहोश डैनी की वजह से उन लोगों को जबरन काम खत्म किए बिना अमेरिका वापस लौटना पड़ा। और उस कंपनी ने

उसके साथ किए हुए कांट्राक्ट को भी रद्द किया। मगर फिर भी उसने परवाह नहीं की, वह सिर्फ नशे में धुत्त रहना चाहता था। अतएव उसने एक दिन, अपने दोनों पैरों के बीच में एक कचरे का डब्बा रखा और सब कुछ जिस पर उसका नाम था उसे काट कर फेंक दिया। यहाँ तक की पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस को भी। उसने चाबी को मेज पर रख दिया, बाहर आया, अपने पीछे दरवाजा बंद किया, और वहाँ कभी वापस नहीं गया। वह सड़कों पर रहने लगा।

न्यूयॉर्क की सड़कों पर उसके रोजमर्रा की जिंदगी का मतलब, सुबह उठते बीमार होना और मादक द्रव्यों के लिए तड़पना। यहाँ तक कि डैनी का वजन (108 पौंड) बयालिस किलो तक गिर गया और वह हेपटेइटिस A, B और C का भी शिकार हो गया। कभी-कभार वह सडकों पर लगे फोन बूथ से वाण्डा से बात करता: 'देखो, मुझे कुछ पैसे चाहिए।' वह कहती, 'ठीक है, अगर आप गिरजाघर के यहाँ आते, आज रात हमारा संगीत का अभ्यास है।' वह तब वहाँ कुछ पैसे दे पायेगी। डैनी के विषय में वाण्डा ने कभी हार नहीं मानी।

डैनी को उस समय यह नहीं पता था, मगर वण्डा के दोस्तों का एक पूरा दल था जो डैनी के लिए प्रार्थना कर रहे थे। और सभाओं में भी जहाँ हजारों इकट्ठा होते थे, साथ मिलकर वे डैनी के विषय, परमेश्वर को पुकारते थे। वे लगातार उसके लिए प्रार्थना करते थे।

सड़कों पर जीवन बिताते डैनी, बहुत सारे भयों का शिकार हुआ। उसके सिर में कुछ आवाजें आने लगीं, लगातार उस पर आरोप लगाती आवाजें। उससे कहते रहते कि वह सब कुछ जरूर गड़बड़ करने वाला है। एक और आवाज शुरू होती जो उसे गाली देती और गंदी गालिंया उगलती रहती। एक तीसरी आवाज लगातार जोर से हंसती रहती। एक दिन रेल गाड़ी में सफर करते समय, एक आदमी जो खुद एक नशेड़ी था, उसने कहा, 'ऐसा दिख रहे हो कि तुम जल्द मरने वाले हो, अगले स्टाप पर एक अस्पताल है। तुमको वहाँ जाना चाहिए।'

'ओह हाँ, शायद मैं जाऊँगा,' डैनी ने कहा। सड़क पर वह मरना नहीं चाहता था। और वह आपातकालीन विभाग में जाकर भर्ती हो गया। अस्पताल के बिस्तर में जब वह जाग गाया तो, वह अपनी ही उल्टी में पडा हुआ था। उसके सिर में सभी आवाजें चिल्ला रही थी। उस पागलपन के बीच में एक पल था जब डैनी एक धीमी, मीठी आवाज सुनी और उसने कहा, 'जिस दिन तुम प्रभु के नाम को पुकारोगे, वह तुमको आजाद करेगा।' वह उस पल में था जब डैनी ने परमेश्वर को पुकारा: 'यीशु, मेरी मदद करो, मुझे बचाओ, तुम ही मेरी एक मात्र आशा हो। मुझे और कोई उम्मीद नहीं है।' ऐसा लगा कि मानो परमेश्वर का आत्मा उस अस्पताल के कमरे में छा गया: और लगा कि वह डैनी के चारों तरफ और उसके अंदर उपस्थित है, उसे चंगा कर रहा है। उससे प्यार कर रहा है और उसे बदल रहा है। वह अनुभव अभिभूत लगा। तुरन्त उसके सिर में चिल्लाती सारी आवाजें बन्द हो गये, और दुबारा कभी नहीं सुनाई दीं। सारे भय भी उससे दूर हो गये।

डैनी जब पुनर्वास केंद्र में था वह परमेश्वर के वचन को पढ़ने लगा। एक भूखे व्यक्ति की तरह परमेश्वर के वचन की दावत मानो जोर से खाने में लगा हो। उसने वाण्डा को भी पत्र लिख कर बताया कि क्या हुआ। उसने आश्चर्य व्यक्त करते जवाब भी भेजा- 'अरे वाह'

इस बात ने डैनी को आश्चर्य चकित किया कि हम कभी मांगने की हिम्मत करे उससे भी बहुत आगे, परमेश्वर आगे जाते है। परमेश्वर ने उसे नया जीवन दिया। हजारों के सामने उसे खड़ा किया ताकि दूसरे भी यह जान पाये कि वे भी करुणा पा सकते है। ऐसा लग रहा था मानो वह परमेश्वर का एक पतक हो जो वह दुनिया को दिखाना चाहता है और कहना चाहता है, 'किसी के जीवन में मैं ऐसा कार्य करना चाहता हूँ।'

'और ऐसा होगा कि जो कोई यहोवा का नाम लेगा वह उध्दार पाएगा।' (योएल 2:32, प्रेरितों के काम 2:21)

- डैनी वेलेस्को की गवाही ऑनलाइन देखने के लिए उपलब्द है।